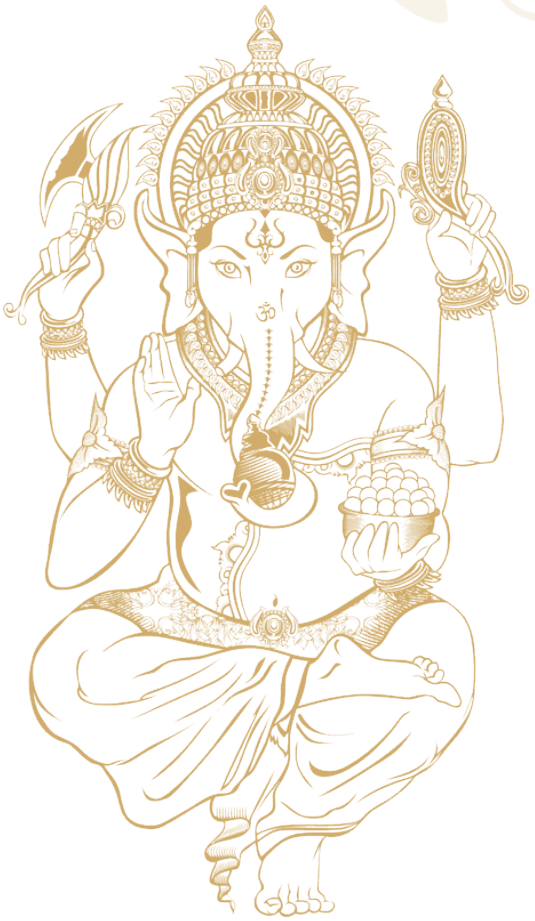

?????? ??????

15 Feb 2026

04:15 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121295304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:15:00 घंटे**
इष्ट	23:03:09 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:52:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	01:34:41 घंटे
सूर्योदय	07:01:44 घंटे
सूर्यास्त	18:11:11 घंटे
दिनमान	11:09:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:31:54 कुम्भ
लग्न के अंश	08:40:43 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:40:43	305:38:27	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	02:31:54	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	08:07:39	12:37:43	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	23:50:43	00:47:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	उच्च राशि
बुध			कुंभ	19:41:13	01:25:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:46:18	00:04:31	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	12:03:37	01:15:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:56:07	00:06:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:18	00:01:33	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:18	00:01:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:34	00:00:36	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:21:11	00:01:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:55:16	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	01:19:05	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

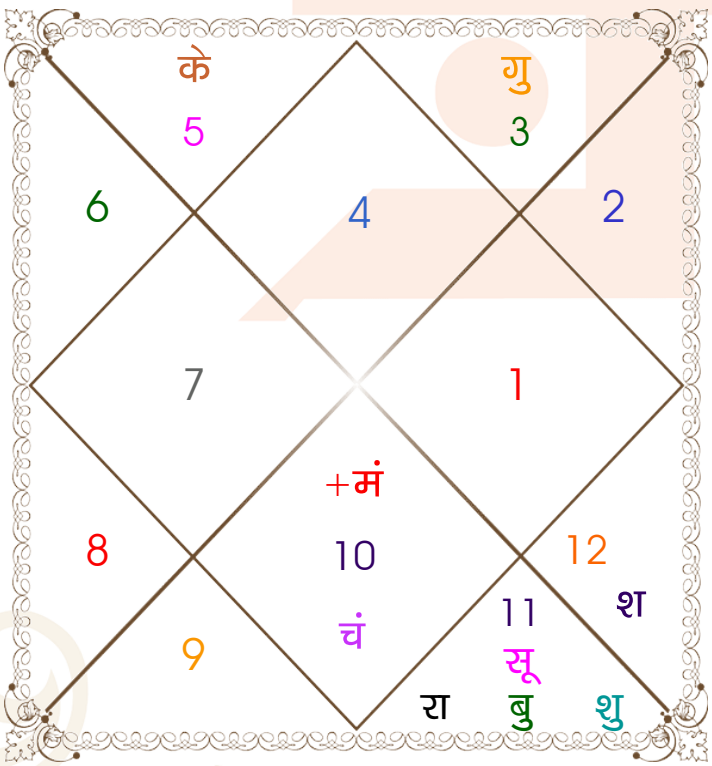

चन्द्र कुंडली

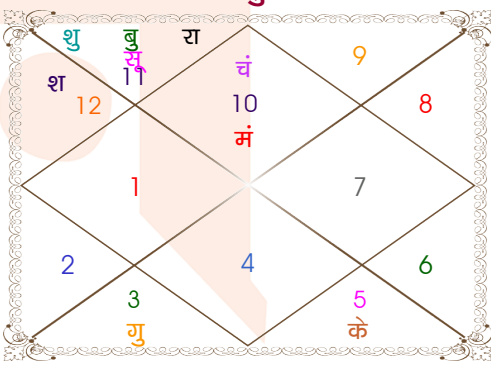

नवमांश कुंडली

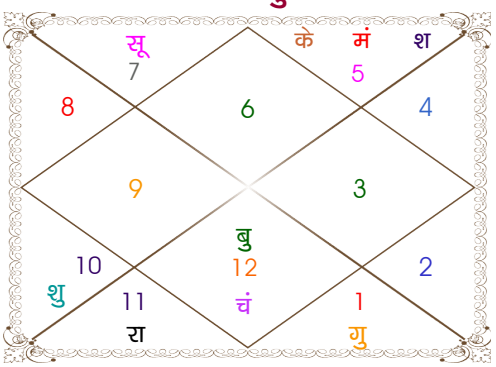

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/02/2026		20/12/2026		19/12/2036		20/12/2043		20/12/2061	
20/12/2026		19/12/2036		20/12/2043		20/12/2061		20/12/2077	
	00/00/0000	चंद्र	20/10/2027	मंगल	18/05/2037	राहु	01/09/2046	गुरु	07/02/2064
	00/00/0000	मंगल	20/05/2028	राहु	05/06/2038	गुरु	25/01/2049	शनि	20/08/2066
	00/00/0000	राहु	19/11/2029	गुरु	12/05/2039	शनि	02/12/2051	बुध	25/11/2068
	00/00/0000	गुरु	21/03/2031	शनि	20/06/2040	बुध	20/06/2054	केतु	01/11/2069
	00/00/0000	शनि	20/10/2032	बुध	17/06/2041	केतु	09/07/2055	शुक्र	02/07/2072
	00/00/0000	बुध	21/03/2034	केतु	13/11/2041	शुक्र	09/07/2058	सूर्य	20/04/2073
	00/00/0000	केतु	20/10/2034	शुक्र	13/01/2043	सूर्य	02/06/2059	चंद्र	20/08/2074
	15/02/2026	शुक्र	20/06/2036	सूर्य	21/05/2043	चंद्र	01/12/2060	मंगल	27/07/2075
शुक्र	20/12/2026	सूर्य	19/12/2036	चंद्र	20/12/2043	मंगल	20/12/2061	राहु	20/12/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/12/2077		19/12/2096		21/12/2113		20/12/2120		20/12/2140	
19/12/2096		21/12/2113		20/12/2120		20/12/2140		16/02/2146	
शनि	22/12/2080	बुध	18/05/2099	केतु	19/05/2114	शुक्र	21/04/2124	सूर्य	09/04/2141
बुध	02/09/2083	केतु	15/05/2100	शुक्र	19/07/2115	सूर्य	21/04/2125	चंद्र	09/10/2141
केतु	10/10/2084	शुक्र	16/03/2103	सूर्य	24/11/2115	चंद्र	21/12/2126	मंगल	13/02/2142
शुक्र	11/12/2087	सूर्य	21/01/2104	चंद्र	24/06/2116	मंगल	20/02/2128	राहु	08/01/2143
सूर्य	22/11/2088	चंद्र	21/06/2105	मंगल	20/11/2116	राहु	20/02/2131	गुरु	27/10/2143
चंद्र	23/06/2090	मंगल	18/06/2106	राहु	09/12/2117	गुरु	21/10/2133	शनि	08/10/2144
मंगल	02/08/2091	राहु	05/01/2109	गुरु	14/11/2118	शनि	20/12/2136	बुध	15/08/2145
राहु	08/06/2094	गुरु	13/04/2111	शनि	24/12/2119	बुध	21/10/2139	केतु	21/12/2145
गुरु	19/12/2096	शनि	21/12/2113	बुध	20/12/2120	केतु	20/12/2140	शुक्र	16/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।